दैनिक जागरण

पृष्ठ - 2

जिले भर में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

सकारात्मक सोच रखने वाले आगे आएंः जिला जज

जागरण कार्यालय, पिथौरागढ़ : सोमवार को जिले भर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। विभिन्न गोष्ठियों में महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देने पर जोर दिया गया साथ ही महिलाओं से हर क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया गया।

जिला न्यायालय में आयोजित गोष्ठी में

अधिकारों की जानकारी से ही होगा महिलाओं का सशक्तिकरण

बोलते हुए जिला जज डीपी गैरोला ने कहा बुनियादी अधिकारों से वंचित महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देने के लिए महिला मुद्दों पर सकारात्मक सोच रखने वालों को आगे आना होगा। उन्होंने कहा महिलाओं को भी हर क्षेत्र में सशक्तता के साथ अपने कदम बढ़ाने होंगे। इसी से महिला सशक्तिकरण की बात सार्थक होगी। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए पुरुषों की मानसिकता में बदलाव लाने पर भी जोर दिया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुबीर कुमार ने कहा महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देकर ही उन्हें समाज में उच्चतर स्थान दिलाया जा सकता है। सिविल जज सुजाता सिंह ने कहा पीड़ित महिलाओं को न्याय देने के मामलों में तेजी आई है। उन्होंने कहा विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से महिलाओं को अधिकारों की जानकारी दी जा रही है। जिला अधिवक्ता संस्था के अध्यक्ष एमसी भट्ट और सचिव निर्मल चौधरी ने कहा महिलाओं को पुरुष हिंसा से लड़ने के लिए मजबूती से खड़ा होना होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और साझा मंच के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित गोष्ठी का संचालन अधिवक्ता निर्मल चौधरी ने किया। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिथौरागढ़ के हिन्दी विभाग में महिला दिवस के अवसर पर परिचर्चा आयोजित की गयी। हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श पर बोलते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष डा.अजय शुक्ला ने कहा महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपने होने का एहसास मजबूती से कराया है। परिचर्चा में डा.नीलाक्षी जोशी, मनु मेहरा, सुनीता भण्डारी, हेमा पाण्डे, निर्मला, ललित मोहन, निर्मल आदि ने विचार रखे। राष्ट्रवादी साहित्यकार मंच ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया। मंच के अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र जोशी, साहित्यकार ललित मोहन राठौर ने गोष्ठी में विचार रखते हुए कहा महिलाओं को अधिकारों की जानकारी देने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाये जाने की जरुरत है। गोष्ठी में सावन राठौर, सूरज चंद, ललित चंद, आयुष लोहनी, मुकेश, रोहित आदि ने विचार रखे।

[redacted]

महिला दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय में आयोजित गोष्ठी में विचार रखते जिला जज और उपस्थित महिलायें। जागरण